Title: Need to clarify the policy towards the proposed talk between the Union Government and Hizbul Mujaheedin a Kashmiri Militant Group.

श्री राजो ्सिंह (बेगुसराय) : माननी्य अध्यक्ष महोद्य, क्श्मीरी आतंक्वादी ्संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन के ्युद्ध ्विराम की घो्णा के ्बाद ्भारती्य जनमान्स में जगा ्वि्श्वा्स एक ्बार फिर ्विचलित हो रहा है। इ्स ्संगठन ने अपने तीन प्रतिनिधि्यों को ्बातचीत के लिए ्भेजने की पे्शक्श की है। ्साथ ही ्शर्तों का अं्बार लगा दि्या है। क्श्मीर जै्से उलझे म्सले पर ्भारती्य ्सरकार की ्संविधान के दा्यरे में ्बातचीत की जिद और दू्सरी तरफ आतंक्वादी ्संगठन का इ्स तरह की ्बातचीत में ्शामिल होने ्से इन्कार करने ्से ्यह प्रक्रि्या एक ्बार फिर ्विफल होती दिखाई दे रही है। क्श्मीर जै्से उलझे म्सले पर अड़ि्यल रुख ्से कोई ्समाधान नहीं निकलने ्वाला है। ्बातचीत ्शुरु करने के लिए कोई ्शर्त कि्सी ्भी तरफ ्से न हो तो अच्छे परिणाम निकलते हैं। ्बात ज्ब ्समाधान की हो तो उ्समें अपनी नीति, जन ्भा्वना तथा जन हित को ध्यान में रख कर निर्ण्य ली्या जाना चाहिए। इ्स मुद्दे पर ्सरकार को अपना रुख परि्वर्तित कर ्बातचीत का आरं्भ करना चाहिए। ्वै्से इ्स आतंक्वादी ्संगठन की ्भा्वनाओं में परि्वर्तन को ्भी क्ड़ी निगरानी में रखना चाहिए। ्साथ ही अन्य आतंक्वादी ्संगठनों को ्भी इ्स प्रकार की नीति अपनाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। ्वै्से ्सर्वोत्तम ्स्थिति तो ्वह होती कि ्सभी ्बंदूकें ्शांत होती और त्ब ्बातचीत होती। इ्स ्संबंध में ्सरकार को अपनी नीति ्स्पट करनी चाहिए।